प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

गृहविज्ञान महाविद्यालय द्वारा डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम

पंतनगर 08 सितम्बर 2022। विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में डिजिटल साक्षरता द्वारा महिला सशक्तिकरणः जागरूकता एवं कौशल विकास विषय पर चल रहे पांच–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में डिजिटल साक्षरता को आज के युग की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताते हुए मुख्य अतिथि अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, डा. एस.के. कश्यप ने कहा कि इसके द्वारा हम वर्तमान समय की जानकारियों, तकनीकियों, एवं उपलब्ध सुविधाओं का पूर्ण उपयोग कर सकते हैं जिससे व्यवसाय, रोजगार, आजीविका को बढ़ावा मिल सकता है तथा युवा वर्ग एवं देश का भविष्य सुदृढ़ हो सकता हैं। विशिष्ट अतिथि जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग, ऊधमसिंह नगर, श्री उदय प्रताम सिंह ने कहा कि समय के साथ आगे बढ़ने के लिए सभी को खासकर युवा वर्ग को डिजिटली साक्षरता होना एवं इसके उपयोग में कुशल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 70 प्रतिशत लेन–देन डिजिटल है जिससे भ्रष्टाचार समाप्त हो रहा है एवं लेन–देन में पारदर्शिता आ रही है। उन्होंने डिजिटल साक्षरता के दोनों पहलु सकारात्मक एवं नकारात्मक बताते हुए प्रशिक्षणार्थियों को इसके सकारात्मक पहलु को अपनाने पर बल दिया।

अधिष्ठात्री, गृह विज्ञान महाविद्यालय, डा. अल्का गोयल ने प्रशिक्षणार्थियों से परम्परागत जानकारी में डिजिटल जानकारी का समावेश करने का आहवाहन किया जिससे हमारी परम्परागत जानकारी को नई दिशा मिल सके। उन्होंने बताया कि डिजिटल साक्षरता द्वारा कौशल विकास युवतियों एवं महिलाओं को सशक्त करने हेतु एक प्रयास है जिससे वह कम्प्यूटर एवं मोबाइल फोन के उपयोग, इंटरनेट चलाना, गूगल द्वारा जानकारी ढूंढना एवं सरकारी सुविधाओं का लाभ ले सकती है एवं विभिन्न मोबाइल ऐप्स का उपयोग कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकती हैं। कार्यक्रम संयोजक, डा. अनुपमा पाण्डे ने बताया कि प्रशिक्षण में महिलाओं एवं युवतियों को कम्प्यूटर एवं स्मार्ट फोन चलाने एवं इंटरनेट के उपयोग द्वारा विभिन्न ऑनलाइन कार्य जैसे ऑनलाइन शिक्षा, आरक्षण, मनी ट्रांसफर, खरीदारी, बिल जमा करना, वोटर कार्ड/आधार कार्ड/पैन कार्ड/पासपोर्ट सबंधित फॉर्म भरना इत्यादि सिखाया जा रहा है इसके साथ साथ विभिन्न मोबाइल एप्स जैसे पी.ट्रैकर, 505 एवं रक्षा महिला एप, महिलाओं हेतु वन–स्टॉप सोल्यूशन आदि सिखाये जा रहे हैं ताकि वह विभिन्न क्षेत्रों जैसे शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सुरक्षा से सबंधित सभी कार्यों करने में सक्षम हो सकें।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम गृह विज्ञान प्रसार विभाग एवं मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है। इसमें लगभग 60 महिलायें एवं किशोर वर्ग की छात्रायें भाग ले रही हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसूचित जाति की महिलाओं एवं युवतियों को डिजिटल साक्षरता द्वारा जागरूक कर एवं उनमें कौशल विकसित कर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम प्राध्यापक, डा. मनीषा गहलौत; सह प्रध्यापक, डा. रितु सिंह; सहायक प्राध्यापक डा. पूजा टम्टा एवं डा. रागिनी मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देते प्रशिक्षक।